E-Content

Electronic content (सामग्री → विषयवस्तु)

Introduction of E-Content:-

E-Content से तात्पर्य उस सामग्री से है जिसे Internet पर विभिन्न website द्वारा web page के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। यह विषय सामग्री विषय-विशेषज्ञों या Content Writer द्वारा तैयार की जाती है।

Meaning of E-Content:-

इलेक्ट्रॉनिक सामग्री (E-Content) का शाब्दिक अर्थ ऐसी सामग्री से है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, माध्यमों या संसाधनों की सहायता से संपादित किया जाता है। इसकी मुख्य विशेषता यह है कि इसमें आवश्यकतानुसार प्रतिदिन नये आयाम (Content) जुड़ते रहते हैं और यह प्रायः सभी क्षेत्रों से सम्बन्धित नवीन जानकारियाँ उपलब्ध कराने में सक्षम है।

Definition of E-Content:-

According to Oxford dictionary:-

"E-Content as a digital text and images designed for display on web page."

(ई-सामग्री एक डिजिटल पाठ और डिजाइन किया गया चित्र है जो web page पर प्रदर्शित होता है।)

(ई सामग्री वेब पेज पर दिखने वाली डिजिटल पाठ और डिजाइन किया गया चित्र है)

Characteristics of E-Content :- ई-सामग्री की विशेषताएं

① समय की बचत (Saving of Time) :- E-Content को आसानी से Browser पर जाकर खोला जा सकता है इसके लिए समय की बचत होती है जैसे - किसी भी penting को आकार देने के लिए computer या Smart phone आदि से समय की बचत किया जा सकता है।

② श्रम की बचत (Saving of labour) :- डिजिटल सामग्री के प्रयोग से समय और श्रम दोनों की बचत होती है। इसके प्रयोग से कम समय में अधिक कार्य संभव होता है और रखरखाव के झंझट से भी मुक्ति मिल जाती है।

③ आधुनिक तकनीकी का सर्वोत्तम उपयोग (Best use of modern Technology) :- आधुनिक तकनीकी के सर्वोत्तम उपयोग के लिए E-Content का प्रयोग करना आवश्यक है। वर्तमान समय में एक ही विषय पर विद्वानों द्वारा विविध प्रकार के विचारों का प्रस्तुतीकरण किया जाता है।

④ उत्तम गुणवत्ता के लिये (For the best quality) :- सामान्य रूप से E-Content में उत्तम गुणवत्ता की स्थिति देखी जाती है। इसमें सामग्री के गुणवत्ता स्तर का डिजिटल मूल्यांकन संभव होता है।

⑤ ज्ञान का विस्तार (Extention of Knowledge) :- E-Content के प्रयोग से एक ही विषय पर विविध विद्वानों के विचार सरलता से उपलब्ध हो जाते हैं।

Scanned with CamScanner

Unit - 4
Bullet - III

C-10

* आंकलन एवं मूल्यांकन सतत (Assessment and Evaluation - Continuous)

⇒ आंकलन (Assessment) :-

Introduction of Assessment (आंकलन की परिचय / अवधारणा) :- किसी के बारे में निर्णय देना / निर्धारण करना / सामान्यतः यह आंकलन कहा जाता है। शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र में आंकलन शब्द भले ही नया हो लेकिन प्राचीन समय से ही किसी न किसी रूप में जीवन के हर क्षेत्र में 'आंकलन' होता रहा है। आंकलन में छात्र के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक इत्यादि सभी गुणों की परीक्षा सम्मिलित रहती है। एक प्रकार से आंकलन मूल्यांकन का छोटा रूप है जो प्रक्रिया की पूर्ति में पूर्वाभ्यास के रूप में अभिव्यक्त होता है।

(Meaning of Assessment) आंकलन का अर्थ :- आंकलन शब्द अंग्रेजी के Assessment से बना है जिसका अर्थ होता है - निर्धारण, राय एवं सोचा-समझा अर्थात निर्धारण शब्द में मूल्यांकन एवं परामर्श शब्द का भी समावेश होता है। क्योंकि जब तक मूल्यांकन की प्रक्रिया संभव नहीं होगा तब तक निर्धारण या राय नहीं दी जा सकती है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि आंकलन सूचनाओं को एकत्रित करने की प्रक्रिया है, जो विद्यार्थियों के संदर्भ में किसी विषय के बारे में निर्णय प्रदान करना (Assessment) कहलाता है। आंकलन की प्रक्रिया में प्रदत्त कार्य परीक्षण (Assignment performance Test) का प्रयोग किया जा सकता है। आंकलन में छात्रों को बिना अंक या ग्रेड के फीडबैक दिया जाता है ताकि शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में अंतिम मूल्यांकन के पूर्व सुधार संभव हो सकें।

Scanned with CamScanner

Definition of Assessment (आंकलन का परिभाषा) :-

प्रो. एस. के. दुबे की शब्दों में :-

"समावेशी विद्यालयों में निर्धारण का आशय उन सभी नीतियों, सिद्धांतों एवं विधियों की समीक्षा से है जो कि विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की शैक्षिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं के मांग एवं उनकी पूर्ति के लिये प्रयुक्त होती हैं तथा छात्रों को शिक्षा की मुख्य धारा एवं विकास के स्रोत से सम्बन्ध रखती है।"

माध्यमिक शिक्षा आयोग (secondary Education commission) के अनुसार :-

"आंकलन वह प्रमुख साधन है जिससे समाज को यह विश्वास होता है कि विद्यालय को दिया गया कार्य संतोषपूर्वक किया जा रहा है और वे बालक जो वहाँ अध्ययन कर रहे हैं, समुचित प्रकार की शिक्षा पा रहे हैं और आशाजनक स्तर को प्राप्त कर रहे हैं।"

ग्रीन (Green) के कथनानुसार :-

"शिक्षा में आंकलन एक नई धारणा है इसका प्रयोग छात्रों के विशेषताओं की जाँच विद्यालय कार्यक्रम, शैक्षिक सामग्री, पाठ्यक्रम तथा शिक्षक की जाँच के लिए किया जाता है।"

हुबा एवं फ्रीड के अनुसार :-

"आंकलन सूचना संग्रहण तथा उस पर विचार विमर्श की प्रक्रिया है, जिन्हें हम विभिन्न माध्यमों से प्राप्त कर ये समझा सकते है कि विद्यार्थी क्या जानता है, समझता है, अपने शैक्षिक अनुभवों से प्राप्त ज्ञान को परिणाम के रूप में व्यक्त कर सकता है जिसके द्वारा छात्र अधिगम में वृद्धि होती है।"

Scanned with CamScanner

क्विलिन तथा हन्ना के अनुसार (According to Quillen & Hanna):-

"छात्रों के व्यवहार में शिक्षालय द्वारा किये गए परिवर्तनों के विषय में प्रमाणों को एकत्रित करना एवं उनकी व्याख्या करना ही आंकलन है।"

("Assessment is the process of gathering and interpreting evidance of changes in the behaviour to the students as they progress through school.")

ली के शब्दों में (According to Lee):-

"विद्यालय, कक्षा और स्वयं छात्रों/छात्रा निर्धारित किये गये शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में छात्र की प्रगति का जाँच ही आंकलन है।"

("Evaluation is the appraisal of a pupil's progress in attaining goals set by the school, the class and himself.")

इरविन (1991) के अनुसार (According to Erwin):-

"आंकलन छात्रों के व्यक्तिगत विकास के आधार का अनुमान है। यह किसी भी वस्तु को परिभाषित कर, चयन, रचना, संग्रहण, विश्लेषण व्याख्या और सूचनाओं का उपयुक्त प्रयोग कर छात्र विकास तथा अधिगम को बढ़ाने की प्रक्रिया है।"

("Assessment is the systematic basis for making inferences about the learning and development of student. It is the process of defining, selecting, designing, collecting, analysing, interpreting and using information to increase students learning and development.")

Scanned with CamScanner